कार्यशाला के बारे में

भारतीय सुदूर संवेदन संस्थान का दूरस्थ शिक्षा कार्यक्रम कार्यक्रम, जो २००७ में १२ विश्वविद्यालयों / संस्थानों के साथ शुरू हुआ था, अब काफी वृहद हो चुका है। वर्तमान में, पूरे भारतवर्ष में फैले लगभग 2600 विश्वविद्यालय / संस्थान इस कार्यक्रम से जुड चुके हैं तथा इस कार्यक्रम के द्वारा लाभान्वित हो रहे है ।

विश्व हिन्दी दिवस (१० जनवरी) के अवसर पर आयोजित इस एक दिवसीय कार्यशाला में "**अन्तरिक्ष विज्ञान के अनुप्रयोग**" शीर्षक के तहत अन्तरिक्ष तकनीक के विभिन्न पहलुओं के बारे में जानकारी प्रदान की जाएगी। साथ ही साथ भारतीय बाह्य अन्तरिक्ष अनुसंधान कार्यक्रम की विस्तार से चर्चा की जाएगी । इस कार्यशाला में अन्तरिक्ष तकनीक से जुडी आधुनिक भूस्थानिक सेवाओं के कियान्वयन पर भी चर्चा की जाएगी । सुदूर संवेदन के विभिन्न सामाजिक आर्थिक विकास संबंधी अनुप्रयोगो की विस्तृत जानकारी से श्रोताओं को अवगत कराया जाएगा ।

कार्यशाला की रूपरेखा

इस कार्यशाला में निम्न शीर्षकों पर व्याखान दिये जाएंगे :

- सामाजिक आर्थिक विकास में अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी की भूमिका।
- ग्रह विज्ञान तथा अन्तरिक्ष अन्वेषण ।
- सुदूर संवेदन तकनीक की अनुप्रयोगों में उपयोगिता और राष्ट्र के विकास में भूमिका ।
- आधुनिक भूस्थानिक प्रौद्योगिकी ।
- क्राउडसोर्स जीआईएस का प्रदर्शन: ओडीके/ओएसएम/क्यूजीआईएस।

लक्षित प्रतिभागी

यह कार्यशाला शोधकर्ताओं , कार्यरत व्यक्तिविशेष, अध्यनरत छात्रों के लिए उपयोगी साबित होगी। सामान्य जानकारी के लिए भी कोई भी जिज्ञाशु इस कार्यशाला से लाभान्वित हो सकता है।

वक्ता

- डॉ प्रकाश चौहान, निदेशक , भारतीय सुदूर संवेदन संस्थान, देहरादून
- श्री शान्तनु भटावडेकर , निदेशक ई.डी.पी.ओ., इसरो, बेंगलुरु
- डॉ राजश्री वी. बोथले समूह निदेशक, राष्ट्रीय सुदूर संवेदन केंद्र, हैदराबाद
- डॉ हरीश कर्नाटक, प्रमुख, जीआईटी और डीएल विभाग,भारतीय सुदूर संवेदन संस्थान, देहरादून
- श्री कमल पांडे, वैज्ञानिक, जीआईटी और डीएल विभाग, भारतीय सुदूर संवेदन संस्थान, देहरादून

कार्यशाला पंजीकरण

कार्यशाला संबंधी सभी जानकारी निम्न वेबसाइट पर उपलब्ध है :
http://www.iirs.gov.in/Edusat-News/

इस कार्यक्रम में भाग लेने के लिए इच्छुक संगठनों / विश्वविद्यालयों / विभागों / संस्थानों को अपनी तरफ से एक समन्वयक को चुनना होगा जो अपने संस्थान को भारतीय सुदूर संवेदन संस्थान की वेबसाइट में नोडल केंद्र के रूप में पंजीकृत करेंगे ।

सभी इच्छुक प्रतिभागियों को नोडल सैंटर के रूप में अपने संगठन का चयन करके पंजीकरण पृष्ठ के माध्यम से ऑनलाइन पंजीकरण करना होगा ।

कार्यशाला में कैसे भाग लें :

कार्यक्रम को २ एमबीपीएस या बेहतर इंटरनेट स्पीड के माध्यम से किसी भी लैपटॉप या वेब कैमरा युक्त कम्प्युटर में प्रस किया जा सकता है। यह कार्यक्रम IIRS E-CLASS (https;//eclass.iirs.gov.in) प्लेटफॉर्म के माध्यम से लाइव उपलब्ध होगा ।

कार्यक्रम को सुचारु रूप से चलाने के लिए निम्न उपकरणों एवं सॉफ्टवेयर की आवश्यकता है:

हार्डवेयर:

- कंप्यूटर / लैपटॉप/मोबाइल फोन ;
- अच्छी गुणवत्ता वाला वेब कैमरा;
- माइक्रोफोन के साथ हेडफ़ोन;

सॉफ्टवेयर और इंटरनेट:

- इंटरनेट कनैक्शन
- वेब ब्राउज़र अर्थात गूगल क्रोम, मोज़िला फ़ायरफ़ॉक्स आदि.

संपर्क विवरण

कमल पांडे
वैज्ञानिक एवं वेब सूचना प्रबन्धक
भारतीय सुदूर संवेदन संस्थान
दूरभाष : 0135-2524331
ईमेल : *kamal@iirs.gov.in*

डॉ. हरीश कर्नाटक
विभाग प्रमुख एवं वैज्ञानिक
भारतीय सुदूर संवेदन संस्थान
दूरभाष : 0135-2524332
ईमेल : *harish@iirs.gov.in*

अशोक घिल्डियाल एवं जनार्दन विश्वकर्मा
तकनीकी अधिकारी
भारतीय सुदूर संवेदन संस्थान, देहारादून
दूरभाष : 0135-2524130
ईमेल : *dlp@iirs.gov.in*

दूरस्थ शिक्षा कार्यक्रम
भारतीय सुदूर संवेदन संस्थान

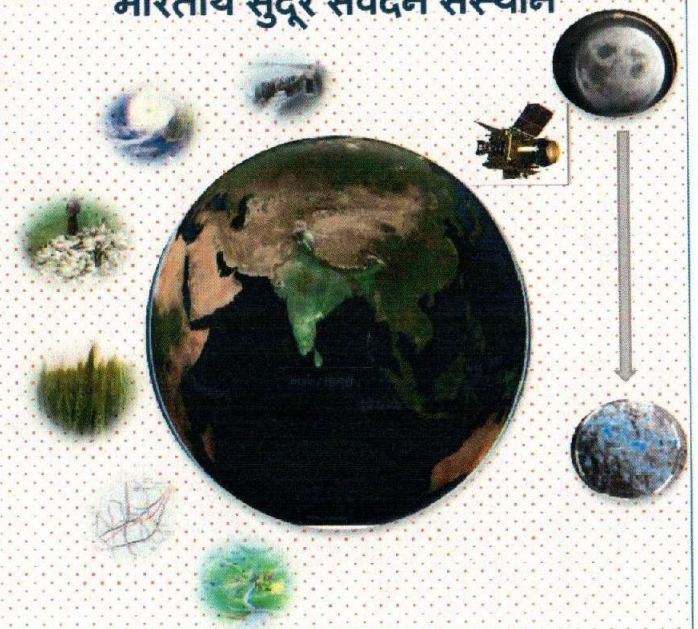

एक दिवसीय कार्यशाला

अन्तरिक्ष विज्ञान के अनुप्रयोग

जनवरी ११, २०२१

इसरो ISRO

आयोजक
भारतीय सुदूर संवेदन संस्थान
भारतीय अन्तरिक्ष अनुसंधान संगठन
अन्तरिक्ष विभाग
४ कालिदास रोड, देहारादून, २४८००१
www.iirs.gov.in